



Mr.rahul



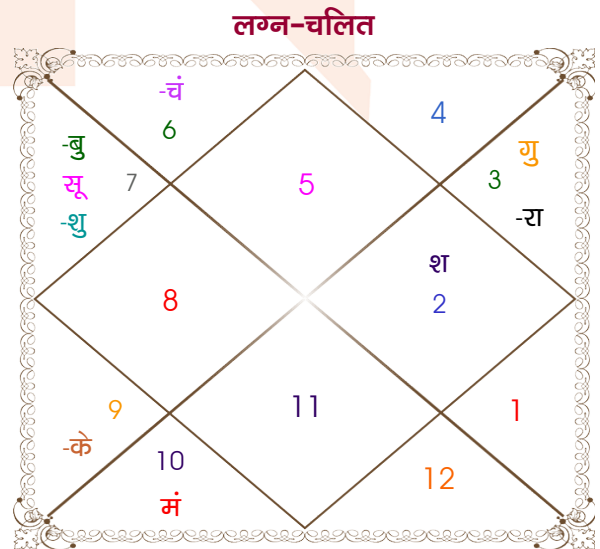
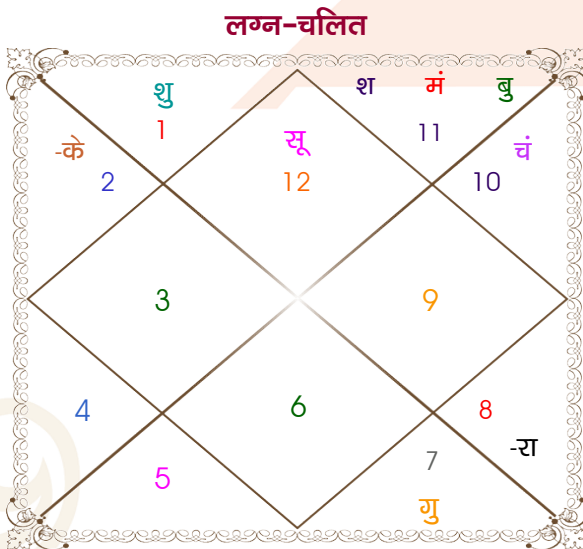
Dhanshri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119636206

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 4-05/04/1994 : _____ जन्म तिथि _____ 11-12/11/2001
 सोम-मंगलवार : _____ दिन _____ रवि-सोमवार
 घंटे 06:07:00 : _____ जन्म समय _____ 02:20:00 घंटे
 घटी 59:56:09 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 49:07:58 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Delhi : _____ स्थान _____ Delhi
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 28:39:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:08:32 : _____ सूर्योदय _____ 06:40:48
 18:40:25 : _____ सूर्यास्त _____ 17:29:25
 23:46:51 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:52:40

विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 10मा 15दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 9वर्ष 9मा 4दि
राहु	19:48:10	मीन	लग्न	सिंह	27:59:52	राहु
19/02/2008	21:13:22	मीन	सूर्य	तुला	25:39:10	17/08/2018
18/02/2026	14:09:56	मक	चंद्र	कन्या	10:18:59	17/08/2036
राहु	28:38:15	कुंभ	मंगल	मक	16:39:46	राहु
01/11/2010	28:45:37	कुंभ	बुध	तुला	12:24:31	29/04/2021
गुरु	18:59:53	तुला व	गुरु व	मिथु	21:40:18	23/09/2023
01/02/2016	10:11:17	मेष	शुक्र	तुला	10:15:50	30/07/2026
20/08/2018	13:58:27	कुंभ	शनि व	वृष	19:18:24	15/02/2029
08/09/2019	00:49:53	वृश्चि व	राहु व	मिथु	03:54:57	06/03/2030
07/09/2022	00:49:53	वृष व	केतु व	धनु	03:54:57	06/03/2033
02/08/2023	02:16:59	मक	हर्ष	मक	27:05:32	28/01/2034
31/01/2025	29:27:16	धनु	नेप	मक	12:17:14	30/07/2035
18/02/2026	03:57:42	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	20:16:28	मंगल
						17/08/2036



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.rahul का वर्ग मार्जार है तथा वीदीतप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.rahul और वीदीतप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.rahul मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

वीदीतप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु वीदीतप की कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.rahul तथा वीदीतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

